

DPN 6622

खड्गसिद्धि विधि KHADGA SIDDHI VIDHI

Title :

Run. No. 7347

Cat. No.

Micro. No.

Subject Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 20 x 6.5

Folios 9

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

न्हूदे सुन्दर तुलाधर

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Nhuchhe Seendar

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Tuladhar.

Material : palmleaf / paper / thya^saphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

सै इति शब्दं मादि (सिद्धवति) ॥
न कृत्वा न ह्यथ बलः पुनर्यानि ॥
इति न कृत्वा न कृत्वा न कृत्वा न कृत्वा ॥
पुनर्यानि न कृत्वा न कृत्वा न कृत्वा ॥
पुनर्यानि न कृत्वा न कृत्वा न कृत्वा ॥
पुनर्यानि न कृत्वा न कृत्वा न कृत्वा ॥

10

मायादावतिं पूजा कैलाशाद्यानां कृतादिनां व...
 यो न यय इव मासर्मे न ततः युष्मिन्मायापवि...
 कययय न तता कल रिहू न गिरि सयदि य ततोः सिद्धि...
 वरिं गंध आकां शिर ककु उत के शः का सन्म मिदिन कव व के
 दिः ना कव वर्ष सह अनिदि वति ना नि नि क क सिद्धि विदि...

5

अथ सत्र क तं नम दाययिगु कामार्थं रह यव र म थ र क तं नम
 यर एम म यः शर्न र क तं र उ व पु मा हा ना ष ग हं ह ह मा हा न न न
 एम एम न क थ ट नि ल म श्रु त प्र मान द व दं वि व ना कि र या मा ता म र्के
 न रि म ह य र्म श्रु प उ ति का या य क्रि य पू नः नु हि का ष म
 य उ उ र पु मा हा न म क कं क तं न म य र्म ह ह ...

10

कृष्णं च नालो ज्ञायते न च यथा ॥ न च दहः ॥ विष्णु क
 यनदिन कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं
 हि हा हं कृष्णं माता ॥ १० ॥ मर्त्यं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं
 सिद्धिः कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं
 कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं

5

कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं
 कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं
 कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं
 कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं
 कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं कृष्णं

लसया या। गनि ॥ १३ ॥ श्रीनाथसंघतमायुर्वेद
निगनयजीतासीमनुतिसादविलोकितानाशिवसकल
आरु। श्रीनाथयकु ॥ १३ ॥ श्रीकृष्णवमानावतरेयुज
दितामथलि। विंका। व्यापि। कृपूनयति। यकवकि
कोललाः। दिताया ॥ नाम्नाश्री अकितात्यातिय।
कोल। अलागियकादातादवि। मिरुकायुव। ठितनि। आयाय

श्रीनाथनकिना ॥ १४ ॥ कालिको लकपाकोलतानयव्यादि
वनीरुअं। साभश्री। कूकीको। म्वायवातनकूजराह्ला
नसिद्धिदंदनु ॥ १५ ॥ ००। मा। माहायजाननेद ॥ सुव्यव
दिय। ललिवलिवि। सितगद ॥ १६ ॥ ममशिद्धिददसाभेद
सिगद ॥ १७ ॥ माहावलिवि। स ॥ समभवलियादि ॥ १८ ॥
प्रश्नसुगलपति। लयादि ॥ १९ ॥ ययुंरुदकसी ॥ २० ॥

न निवासिनं ॥ स्मृत्यर्थवत्कृथर्वः सोमास्तु न निवा
सः कथाकुदकयः सुखित्तनाम्नि पाण्डयः विद्युरूपः
२) वासविदिधिदिक् वीजस्त्रो ॥ सधरु गार्गनसुः प्रदे

कर्मों दुःख निर्वचन दल भाग को लुट पावनि पा
म अउर मरेना जाग को गुरुद्वारा सुखा रक्षा

[illegible]

सुश्रुतयोः ॥ १ ॥ दंडादिषु ॥ २ ॥ मर्शनि ॥ ३ ॥ ५ ॥ द्वायादिदि
॥ ४ ॥ श्वारा ॥ ५ ॥ आनद ॥ ६ ॥ कोकालशक्तिरुदि ॥ ७ ॥ कयविद्या ॥ ८ ॥
मायालक्ष्म ॥ ९ ॥ वर्याचुधि ॥ १० ॥ तनासिदिद्यु ॥ ११ ॥ दयातु ॥ १२ ॥
मायाकाल ॥ १३ ॥ लि ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ मसुडाका ॥ १६ ॥ वर ॥ १७ ॥ रेखीवड ॥ १८ ॥
॥ १९ ॥ स्वसे ॥ २० ॥ दावहि ॥ २१ ॥ आ ॥ २२ ॥ विजन ॥ २३ ॥ नव ॥ २४ ॥ निवातनवा ॥ २५ ॥
॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥

॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

5

0

CMTS

5

10

15

20

